तमिलनाडु में श्रीलंका के उग्रवादियों से निपटने के लिए अर्ध-सैनिक बल

172. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने तमिलनाडु में श्रीलंका के उग्रवादियों द्वारा उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अर्ध-सैनिक बलों की कुछ कम्पनियां वहां भेजी हैं; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) तमिलनाडु सरकार के अनुरोध पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की कुछ कंपनियां स्थिति से निपटने के लिए वहां भेजी गई हैं। तमिलनाडु में भेजी गई केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की कंपनियों की संख्या बताना लोक हित में होगा।

कश्मीर के बारे में अमरीका-रूस वार्ता

173. श्री राम अवधेश सिंह :
श्री मुरलीधर चन्द्रकांत भंडारे :
श्री महेन्द्र प्रसाद :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 4 जून, 1990 के "जनसत्ता" के नगर संस्करण में "बुश और गोर्बाचौफ में कश्मीर पर वार्ता" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो राजनीतिक स्तर पर इन दो महाशक्तियों ने क्या-क्या ठोस और रचनात्मक सुझाव दिये हैं तथा इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या शिखर वार्ता में कश्मीर के मामले पर चर्चा की गई थी, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्री (श्री इंद्र कुमार गुजराल) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) सरकार को कश्मीर मसले पर शिखर बैठक की कार्यवाहियों के बारे में न तो अमरीकी प्रशासन से और न ही सोवियत संघ की सरकार से कोई सूचना मिली है।

अमरीका के एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि क्षेत्रीय समस्याओं के संदर्भ में राष्ट्रपति बुश और गोर्बाचोव के बीच जून, 1990 की शिखर बैठक में कश्मीर की स्थिति पर विचार-विमर्श हुआ था।

नेपाल और भारत के बीच मतभेद

174. श्री राम अवधेश सिंह : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले ढाई वर्ष से भारत और नेपाल के बीच चले आ रहे मतभेदों के मूल कारण अब दूर हो गए हैं या नेपाल की नवगठित लोकतांत्रिक सरकार के साथ अभी केवल मौखिक वक्तव्य ही दिये जा रहे हैं;

(ख) क्या श्री बी०पी० कोइराला के नेतृत्व वाली नेपाल की लोकतांत्रिक सरकार और भारत के बीच कोइराला सरकार के पिछले कुछ दिनों में संबंधों में कडवाहट पैदा करने वाले कारणों को दूर कर दिया गया है; और

(ग) यदि हां, तो उसका पूरा ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्री (श्री इंद्र कुमार गुजराल) : (क) से (ग) 8–10 जून, 1990 को नेपाल के प्रधान मंत्री श्री के० पी० भट्टराई की भारत यात्रा से भारत-नेपाल संबंध पूरी तरह से सामान्य हो गए हैं। इससे तनाव और गलतफहमी का माहौल समाप्त हो गया है और पारस्परिक लाभ के द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने की संभावनाएं बनी हैं। हालांकि विशिष्ट मुद्दों